Anand
DATE :
PAGE NO. :

ओडियो, विडियो रिकॉर्डिंग का समय एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नं. 10 दिनांक 29/04/2021
ZOOM004 ☐ WAV स्थान
ट्रैक समयावधि 45 मिनट
कलाकार का नाम - नेकमोहम्मद (गायन / वादन
पिता का नाम, सिन्धे खा
पता → गांव बड़नावा-चारणान् ते० पचपदरा जिला बाड़मेर (राजस्थान)
सहायक कलाकार

ओडियो रिकॉर्डिंग का समय
विषय- कथा
विशेष विवरण —

एक बार एक राजा था उसका नाम आनड़राजा (सुमनन्द) था। और उसके घर उसका मंगत हमेशा आया करता था लेकिन वह उसे दान नहीं करता था इस बात से मंगत की घर वाली उससे भला-भूरा कहती थी। गांव वाले भी उसे परेशान करते थे के भाई तेरा राजा कैसा है ये तुझे तेरे बच्चों के लिए कुछ धन क्यों नहीं देता है एक बार मंगत यह सोचकर निकलता है कि आज मैं अपने राजा से कुछ न कुछ लेकर ही आऊंगा

और वह राजा के दरबार में चला जाता है और कुछ दान मांगता है राजा उसे मना कर देता है। और आगे दीवाली के मौके पर कुछ अच्छा खासा दान देने की बात करता है। मंगत अपने घर चला जाता है। और दीवाली आने का इन्तजार करता है। तो जैसे-जैसे समय बीतता गया दीवाली भी नजदीक आने लगी और मंगत भी खुश हुआ के अब राजा मुझे अच्छा खासा दान करेगा, दीवाली से दो तीन दिन पहले राजा भी अपने घर पहुंचा तो देखता है।

पुरा महल को सजाया गया है ढोल नगाड़े बज रहे है। यह नजारा देख राजा हैरान हो गया और रानी से पूछा ये क्या मजेरा है तो रानी ने कहा कि दीवाली आने वाली है उन्ही की तैयारियां चल रही है। और राजा को याद आया कि मैंने अपने मगंत को दीवाली पर दान करने को कहा था भी आयेगा और मुझे दान करना पड़ेगा। दीवाली वाले दिन राजा शाम को ही अपने घोड़े पर सवार हो कर कहीं दुर चला जाता है।

सुबह होती है तो मगंत अपना दान लेने राज महल पहुँचता है तो राजा वहां नहीं होता है। यह देखकर उसे बहुत दुःख होता है। राजा अपने एक मासी के बेटे भाई रिड़मल के घर पहुँचता है। जहां उनकी अच्छी मेहमान नवाजी की जाती है। मगंत राजा के घोड़े के पैरों के निशान देखकर पीछे-पीछे वहां पहुंच जाता है और इस बात का पता अनड़ राजा को हो जाता है

मगंत भी यह अच्छी तरह समझ जाता है कि अनड़ राजा यहीं पर है। रात के समय जब रिड़मल कि कचेड़ी लगती है तो मगंत अच्छे-अच्छे राग करके उनका मनोरन्जन करता है वहां उस मगंत का अच्छा गुजारा हो जाता है। एक बार मगंत को देखकर अनड़ राजा एक कमरे में छुप जाता है तो वह भी उसके पीछे जाता है तो कुछ लोग उसे यह कहकर रोकने का प्रयास करते है कि इसमे तो बुढ़ी मासी सो रही है।

मगंत कहता है कि मुझे भी मासी से मुलाकात करनी है मगंत जैसे ही वह चादर हटाता है तो राजा सुमनन्द को देखता है। और चिल्लाता है कि मासी के मुछे निकल आयी कुछ देर के लिए शोर शराबा होता है। और वापस अपने राज महल पहुँचते है। तो अनड़ राजा दान करने जाता है तो रानी बोलती है कि मगंत तुम कल अपनी पत्नी को साथ लेकर

आना मे भी दान करुगीं सुबह होती है तो मगंत और उसकी घरवाली दोनो राज महल पहुच जाते है। अब राजा मगंत को दान मे पुराने सड़े हुए ~~जो~~ जो देता है। मगंत उसे स्वीकारता है फिर जब रानी की बारी आती है। तो अपनी बहन समझ कर हीरा, मोती और जवार ज्वाहरात दान करती है, इस दान से मगंत की जिन्दगी मे खुशिया भर जाती है। और ~~और~~ आगे का जीवन खुशी हाल व्यतित करते है।